जिस स्त्री का पति गुम हो जाए और पता न चल सके कि वह कहाँ है ? वह चार साल प्रतीक्षा करे और फिर चार महीना दस दिन इद्दत गुज़ारे। अब उसके लिए कहीं और निकाह करना हलाल हो जाएगा।

उमर बिन ख़त्ताब (रज़ियल्लाहु अंहु) कहते हैं ः जिस स्त्री का पति गुम हो जाए और पता न चल सके कि वह कहाँ है ? वह चार साल प्रतीक्षा करे और फिर चार महीना दस दिन इद्दत गुज़ारे। अब उसके लिए कहीं और निकाह करना हलाल हो जाएगा।

[मुझे अल्लामा अलबानी का कोई हुक्म नहीं मिला।] [इसे मालिक ने रिवायत किया है।]

http://www.sunnah.global/hadeeth/hi/show/58170